

दैनिक जागरण



बजसंग पूनिया ने तुर्की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता खिताब 9

ट्राईसिटी के संयुक्त प्रयास बनाएंगे शहर को सुरक्षित : बेनीवाल

चंडीगढ़ में पॉलिंग के बाद पत्नी सोच क्या दिशा में आई ?
 -सबसे पहले दिशा में आया कि बड़ा नाम है चंडीगढ़ पुलिस का। मुझे देखने से सब खुशियां और कर्मियां हैं उसकी। अब दोनों सोचें उन्हें कब तक में आ रहे हैं। जो कर्मियां हैं, उन्हें सुरक्षित का काम मुझ में चुका है।
 • दिल्ली में काम अच्छा था, चंडीगढ़ में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए क्या करेंगे ?
 -दिल्ली एक बहुत बड़ा शहर बन चुका है, जबकि चंडीगढ़ उस और तेजी से बढ़ रहा है। चंडीगढ़ को बहुत कुछ दिल्ली में सीखना है कि क्या अच्छी चीज बननी है और क्या गलत चीजें हैं, जो अभी नहीं बननी हैं। दिल्ली में एक साल लगकर एक मॉडल को तैयार करके अखिर दिल्ली में सीखार और अपने सुरक्षा को भी लागू करने हैं। हमें निकालना कि बड़े शहरों में मुझ से क्या सीखें एक नई राह और समझना हो रही है। जबकि लॉ एंड ऑर्डर एक छोटा सा विभाग है। कानून, मोरार, इन्फ्रान्क्चर और साइबोर्नीयकल फैक्टर होता है। मुझ में सीजन सुदूर को काफी सुरक्षित लागू करते हैं। जबकि, लॉ में सीजन किसी तरह जायें तो एक बनने (पी, कानून, लॉ) के साथ जाती है। इसके अलावा लाइसेंस, ट्रांसपोर्ट को डेवलपमेंट को सुरक्षा में बहुत करने रखती है। चंडीगढ़ में इन सुरक्षा को मॉडल रखने के लिए कई तरीकों में इस्तेमाल करने हैं। महिलाओं को

निर्भय कंस के बाद दिल्ली में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कठोर कदम उठाए गए। नियमों को सख्त बनाने के साथ महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। महिलाओं की इस सुरक्षा के पीछे संजीवनी दिखाने वाले जो शख्स थे, वह 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय बेनीवाल थे। 28 जून को बेनीवाल ने चंडीगढ़ के डीजीपी की कमान संभाली। दिल्ली में बेहतर रिजल्ट देने वाले डीजीपी संजय बेनीवाल ने चंडीगढ़ में महिला सुरक्षा, अपराध, अपराधियों पर सिकंजरा, टैफिक सिस्टम, विभागीय उखल-पुखल सहित ट्राईसिटी समन्वय पर दैनिक जागरण सहायता कुलदीप गुक्ता से बंधावटी से बातचीत की।



सप्ताह का साक्षात्कार

जीवन परिचय
 1989 बैच के अफसर संजय बेनीवाल एजीएमयूटी कैडर के आईपीएस हैं और चंडीगढ़ से पहले दिल्ली में बतौर स्पेशल कमिश्नर और रेगन एंड हुमन सेफ्टी, एयरपोर्ट और मीट्रोडिजिटल की कमान संभाल अच्छा रिजल्ट दिया। आईपीएस संजय बेनीवाल नॉर्थ दिल्ली में डीसीपी की पोस्ट पर तैनात रहे। इस दौरान उनके पास देश के सबसे बड़े इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट और टैफिक की जिम्मेदारी थी। इसके अलावा वह कई अहम पोस्ट पर जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

कहा : महिलाओं को गृह-वेड विहेवियर समझने और सेल्फ डिफेंस के दिए जाएंगे टिप्स



शहर की टैफिक व्यवस्था काफी गड़बड़ होती जा रही है, बतौर के समय योजना जाम लग रहे हैं। एयुटेस के लिए भी कुछ खास इंतजाम नहीं है ?
 -शहर में पब्लिक बट्टी, गडियन बट्टी, पर सड़कें नहीं बढ़ी है। जो टैफिक समस्या की सबसे बड़ी वजह सामने आ रही है। इसके अलावा टैफिक लाइटी की ट्राइमिंग को भी जल्द ही सिंक्रोनाइजेशन करवाने का प्रयास किया जाएगा।

माला, सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग, गृह एंड वेड विहेवियर इनके साथ साथ पर सड़कें वेड करने हैं। जो सिकंजरा हो चुके हैं, उन्हें बहार निकालना और उनके लॉ में फंस लेने हैं, उन्हें बहार जाए और बेहतर लाइफ को और खोपने की बतौर को जाए। जिस पर काम किया जाएगा।
 • पंजाब, हरियाणा, हिमाचल के बड़े अपराधी चंडीगढ़ में ज्यादातर अपना अड्डा बनाते हैं। हाल में ही सिक्किम गैंगस्टर टिल्लीत डाहा इसका एक उदाहरण है। क्या आप मानते हैं कि कहीं न कहीं चूक रही है

चंडीगढ़ पुलिस की ?
 -टाइमिंग, अपराधियों का एक तरीका होता है, जब उन पर किसी तरह से प्रेशर बनता है, तो वह दूसरी तरफ फरार हो लेते हैं। ठीक ऐसे ही हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में भी अपराधी करते हैं। किसके बटोरे में कौन आ रहा है, एक खा है वह परत काम पुलिस के लिए एक चैलेंज है। प्रविध में चंडीगढ़-मोहाली पुलिस के लिए वह चैलेंज काफी बड़ा होने वाला है। इसके लिए सिविल पुलिस, इन्फ्रान्क्चर और सिस्टम बढ़ाने की जरूरत है। ठीक, टिल्लीत जैसे अपराधियों को दबोच जा

सके। समय लग सकता है पर सब काम संभव है और हम जरूर इस सिस्टम को बना देंगे।
 • गवर्नर लेवल पर ट्राईसिटी पुलिस की मीटिंग कई बार हो चुकी है, पर अपराधियों पर अभी तक कुछ खास अमर नहीं दिखा ?
 -हम सिर्फ चंडीगढ़ नहीं, बल्कि ट्राईसिटी के नजदिक से देखते हैं। ऐसा नहीं है कि चंडीगढ़ में टैफिक सिस्टम बेहतरीन हो और पंचकुला बेहद खराब। ऐसा होगा तो विक्रम रुक जाएगा। शहर बड़ा होगा तो मुश्किल कि शहर की चल नहीं रुकने पार, ड्रैफ्ट

नहीं रुकने पार। जरूरत है कि लोगों स्थानों पर कई चीजों का एक जैसा सिस्टम बन जाए। इसमें चैलेंज है, पर जरूर काम किया जाएगा।
 • चंडीगढ़ की सड़कों पर बने साइकिल ट्रेक पर होमगाडों की तैनाती थी, लेकिन अब उन्हें हटा दिया है ?
 -साइकिल ट्रेक चंडीगढ़ को खूबसूरती है। वह अच्छा फ्लाइट है और विभाग की तरफ से टैबल से इस पर सेंटिंज कर जल्द फैसला लिया जाएगा।
 • चंडीगढ़ के पूर्व डीजीपी तेजेंद्र सिंह लुधरा द्वारा मिलीव होने के बाद हेड कॉन्स्टेबल और एसआइ के प्रमोशन को लेकर गवर्नर ने जोच के आदेश दिए थे, क्या हुआ ?
 -पूर्व डीजीपी तेजेंद्र लुधरा के प्रमोशन को कार्रवाई नहीं, बल्कि प्रमोशन करने को ट्राईमिंग को देखते हुए गवर्नर ने तुरंत रुक लगा दिया था।
 • विभागीय प्रमोशन, सीनियर-जूनियर पद को लेकर पिछले कुछ समय में पुलिस विभाग काफी विवादों रहा। ऐसे विवाद को खत्म करने की कोई प्लानिंग ?

-जो भी, इस तरह के बेचारा विवादों को पूरे तरह से खत्म करने, सभी विभागों को बतौर और स्पष्ट बनने के लिए जल्द से विचार को ठीक से सब ऑनलाइन कर दिया जाएगा।
 • साइकिल ट्रेक पर तैनात होंगे होमगाडों ?
 -चंडीगढ़ में अधिकतर साइकिल ट्रेक ठीक हो चुके हैं। इन पर ही साइकिल सवार रहने, इसके लिए जल्द होमगाडों जवान को तैनाती की जाएगी। फलतः जरूरत कर लेने को इसका इस्तेमाल करने के लिए सपरजब जरूर। बाद में सड़कों को जांफि।

जान वाला दुर्घटना समग्र लगे 11.15 बजे खत्म हुई। यह राहो मूलभोज सलवे स्टेशन से 4.5 किमी दूर गेलवे माल स्टेशन संख्या-17-3 के पास पहुंची थी कि ट्रेक पर प्रैमों का जोड़ आ गया। इस जैसी ब्रेक लगाने से पहले ही इंजन मर्वोलायों से टकरा गया और खतियस्त हो गया। दो रात लाइफलाइन से रैम कटा लेकर खंचे

आनेकी संयोजन में हमल को जिम्मेदारी नहीं ली है। मूलाकाले ने पूरा शेर को पेंकर आर्डीकल को सलवा गुन का दी है। वह घटन टोडक कर्मियों के फुलकम जिले के नावरा क्षेत्र की है। दो रात तीन से चार आनेकी जवान मसो आबनद रायर के घर में जबरन घुस गए। उन्होंने परिवार के सामने ही नसो पर फोलाप



मेरी कमी खोजने वालों को देना होगा 70 साल का हिसाब
 मोदी सहूल या कांग्रेस पर तंज करने का मौका भी नहीं दूँगे। कहा, जो लोग मेरी कमियां खोज रहे हैं, उनकी तो 70 साल की कमियां निकालेंगी

जान वाला दुर्घटना समग्र लगे 11.15 बजे खत्म हुई। यह राहो मूलभोज सलवे स्टेशन से 4.5 किमी दूर गेलवे माल स्टेशन संख्या-17-3 के पास पहुंची थी कि ट्रेक पर प्रैमों का जोड़ आ गया। इस जैसी ब्रेक लगाने से पहले ही इंजन मर्वोलायों से टकरा गया और खतियस्त हो गया। दो रात लाइफलाइन से रैम कटा लेकर खंचे

लोकसभा चुनाव में विकास के संतर से उत्तर प्रदेश जीतने की मुहिम में जुटे प्रधानमंत्री मोदी मोदी ने हरियाणा को 60 हजार करोड़ रुपये निवेश की 81 परियोजनाओं का ऐलान किया। उन्होंने